

उपायुक्त ने की स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा की, कहा-

संस्थागत प्रसव में बढ़ोतरी लाने की जरूरत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त समीक्षा को अध्यक्षता में सोमवार को समाहाराणालय स्थित सभागार में स्वास्थ्य विभाग की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने एक-एक कर स्वास्थ्य विभाग के अलग-अलग सूचकांकों की समीक्षा की। उपायुक्त ने गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, ससमय आयरन की गोली देने, संस्थागत प्रसव व होम डिलीवरी, टीबी, वीएचएनडी कार्यक्रम की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। वहीं संस्थागत डिलीवरी में बढ़ोतरी लाते हुए उन्होंने संस्थागत डिलीवरी को 95 प्रतिशत से अधिक कराने की दिशा में कार्य करने की बात कही। डीसी ने इसके लिये निजी होस्पिटल में होने वाले डिलीवरी का



डाटा संकलन करने पर बल दिया। बैठक में गर्भवती महिलाओं का एनसी शतप्रतिशत करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सीएचसी स्तर

पर एनएम की रिक्त को लेकर समीक्षा की गयी। इस दौरान उपायुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को सीएस के पास एनएम नहीं

रहने की सूची भेजने की बात कही, ताकि संबंधित को एनएम उपलब्ध कराया जा सके। उपायुक्त ने कहा कि एक भी हेल्थ सब सेंटर बाहर

वज्रपात से बचाव को लेकर डीसी ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को किया रवाना

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त समीक्षा एस ने सोमवार को समाहाराणालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर वज्रपात से बचाव को लेकर रथ को रवाना किया। इस जागरूकता रथ में जागरूकता को लेकर लीफलेट्स के वितरण के साथ ही गिफ्ट्स फॉर विवज विनर के तहत अन्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मेटिगेशन प्रोजेक्ट फॉर लाइटिंग सेफ्टी के तहत चलाए गये इस अभियान में चैनपुर, नौडीहा बाजार, छतरपुर व हुसैनाबाद अंचल के चयनित पंचायतों में यह जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान में स्थानीय आमजनों को वज्रपात के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी, जिससे भविष्य में जनहानि को रोका जा सके। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर कर्मियों की



प्रतिनियुक्त की गयी है। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि प्रत्येक वर्ष वज्रपात से कई लोगों की जान चली जाती है।

कहा कि चार अंचलों के विभिन्न ग्राम पंचायतों में यह रथ घूमेगा और वहां के स्थानीय निवासियों को आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों के संबंध में जागरूक करेगा। मौके पर अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी जयराज सिंह यादव समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व संघचालक ध्रुव नारायण सिंह का निधन

● भाजपा महामंत्री मनोज सिंह के पिता थे, अंतिम संस्कार आज

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के महामंत्री मनोज सिंह के पिता एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व विभाग संघचालक, हमीदगंज निवासी ध्रुव नारायण सिंह का आज सुबह 8 बजे आरसी केयर लाइफ होस्पिटल, डालटनगंज में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे 80 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर फैलते ही हमीदगंज स्थित निवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं, संघ परिवार के सदस्यों, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों से जुड़े लोगों का पहुंचना शुरू हो गया। सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की। स्वर्गीय सिंह अपने पीछे चार पुत्र, पुत्रवधु, तीन पुत्री, नाती-पोते सहित भरा-पूरा परिवार छोड़कर गए हैं। उनका अंतिम संस्कार 19 अगस्त, मंगलवार को सुबह 9 बजे राजा हरिश्चंद्र घाट, मेदिनीनगर में किया जाएगा। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी,



प्रेम सिंह, पूर्व उपमहापौर मंगल सिंह, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद सिंह, आरएसएस के राजीव रंजन सिंह, विभाकर नारायण पांडे, विजयनंद पाठक, भोला सिंह, शिवदीप सिंह, शिव कुमार मिश्रा, विजय ओझा, प्रदीप सिंह, दिलीप तिवारी, जितेंद्र सिंह, अभिमन्यु सिंह उर्फ बबलू सिंह, राहुल कुमार, अरुण सिंह, लूडू खान, छाटू सिन्हा, श्वेताग गर्ग, सरवन गुप्ता, अविनाश वर्मा, दीपक सिंह, रोहित पाठक, विजय राज, गिरीश जोरिहर, सतीश कुमार, जय दुबे, ए. बुजेश शुक्ला, पंकु सिंह, प्रमोद रंजन, अभय सिंह, पप्पू, जितेंद्र तिवारी, मनोहर लाली,

मुखार सिंह, मुन्ना सिंह, निलेश चंद्र, रणजीत मिश्रा, नरदलाल गुप्ता, कृष्ण गुप्ता, संजय कुमार, पंकज जयसवाल, विकास सिंह, अजय सिंह, किशन मखड़िया, मनदीप प्रजापति, दीपक तमोली, प्रभात गुप्ता, सुशील पाठक, विश्वजीत पाठक, आशीष भारद्वाज, कमलेश सिंह, दुदान सिंह, कन्हैया सिंह, जुगल किशोर, शिवकुमार, बिट्टू सिंह, बबलू सिंह, इस्कोन ग्रुप के संजय पांडे, अरविंद सिंह, विकास सिंह समेत अन्य कई गणमान्य लोग शामिल रहे। स्वर्गीय ध्रुव नारायण सिंह को श्रद्धांजलि देने वालों का उनके निवास स्थान पर लगातार आना-जाना जारी है।

आदि कर्मयोगी अभियान का उपायुक्त ने जिले में किया शुभारंभ

चार दिनों तक छह जिले के प्रशिक्षणार्थियों को दिया जायेगा ट्रेनिंग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त समीक्षा एस ने सोमवार को जनजातीय मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत 6 जिले के प्रशिक्षणार्थियों को आगामी 4 दिनों तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस अभियान के तहत 17 डिपार्टमेंट के 25 ऐसे इंटरवेंशन को 30 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में 549 जिलों के 63843 गांवों में 5 करोड़ से ज्यादा जन जातिय समुदाय को कन्वेंस के तहत लाभांचित किया जाएगा। स्टेट मास्टर ट्रेनरों द्वारा इन सभी को ट्रेनिंग दिया जा रहा है। इस अभियान के तहत झारखंड राज्य में 3 स्टेट प्रोसेस लैब दिनांक 18- 21 अगस्त 2025 तक आयोजित किए जा रहे हैं। इस प्रोसेस लैब के तहत स्थानीय रमाडा होटल में 6 जिले पलामू, गढ़वा,



इंस्टीट्यूट, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट, पब्लिक हेल्थ एवं सैनिटेशन डिपार्टमेंट आदि सम्मिलित हैं। इस अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव वीएन प्रसाद द्वारा दिल्ली से वीसी के जरिये प्रतिभागियों के साथ वार्ता की गयी। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी

हजारीबाग, लोहरदगा, लातेहार एवं रामगढ़ के 7 सरकारी विभागों जिसमें पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास, सोशल वेल्फेयर डिपार्टमेंट, वन विभाग, ट्राइबल रिसर्च

प्यारालल समेत अन्य उपस्थित रहे। विदित हो कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 2 अक्टूबर 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष योजना के अंतर्गत आदि कर्मयोगी अभियान की शुरुआत की गयी है।

धूमधाम से मनाई जाएगी दुर्गा पूजा : राजकुमार चंद्रवंशी



नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदों में धर्म समाज कल्याण समिति जय भवानी संघ चंदो दुर्गा पूजा समिति की बैठक रविवार को अशोक पेड़ चंदो के पास किया गया। जिसमें समिति के सदस्यों ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा का 70वां वर्षगांठ मनाने हेतु बैठक किया। जिसमें पूर्व से चलते आ रहे अध्यक्ष ने सर्व सहमति से राजकुमार चंद्रवंशी को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सुरेश यादव, सचिव सुधीर प्रजापति, महामंत्री सुदर्शन

प्रसाद, कोषाध्यक्ष विजय कुमार सिंह, पूजा मंत्री प्रमोद कुमार सिंह, मनोरंजन मंत्री सुरेश कुमार सिंह, संरक्षक राजेंद्र सिंह को बनाया गया। इस मौके पर अध्यक्ष राजकुमार चंद्रवंशी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्गा पूजा का 70वां वर्षगांठ बड़े ही धूमधाम के साथ मनाई जाएगी। साथ ही साथ संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। जो भक्त श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस मौके पर कमेटी के सैकड़ों सदस्य एवं ग्रामीण जनता उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पतालों में भी चल रहा निजी क्लिनिक व पैथोलॉजी का धंधा

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। सरकारी अस्पतालों में अधिकांश बीमारी की जांच की मशीन और संबंधित स्टाफ होने के बावजूद निजी क्लिनिक और पैथोलॉजी का धंधा चल रहा है। हैदरनगर के कबरा खुर्द गांव निवासी चुखार से पीड़ित एक बच्ची स्थानीय अस्पताल में इलाज कराने सोमवार को आई है। ऑन ड्यूटी चिकित्सक डॉ. ज्योतिप कुमार ने जांच लिखकर अस्पताल के लैब टेक्नीशियन

शकील अहमद के पास भेज दिया। शकील अहमद यह कहकर रोगी के परिजन से 800 रुपए की मांग की, कहा कि यहां पर जांच सुविधा नहीं है, बाहर से मंगाना पड़ेगा। अस्पताल में निजी जांच केंद्र का कलेक्शन सेंटर चलाये जाने से क्षुब्ध परिजन हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. विनेश कुमार से शिकायत की है। उन्होंने जांच कर दोषी चिकित्सक और कर्मी पर कर्मी पर कार्रवाई करने की

बात कही है। सूत्रों के अनुसार चिकित्सक की मर्जी से पुराना थाना रोड में वर्षों से नेशनल मेडिकल और जांच केंद्र भी संचालित है। जहां मरीजों का आर्थिक भयादोहन किया जाता रहा है। इस तरह कई लोगों का जांच के लिए संपल और पैसा प्रतिदिन लिए जाने की बात भी उभरकर सामने आई है। इस निजी केंद्र पर यही चिकित्सक के निजी क्लिनिक खुलते ही अपराह तीन बजे रिपोर्ट दे दिया जाता है।

राजस्थान की पुलिस ने साइबर ठगी के मामले में पलामू के दो युवकों को किया गिरफ्तार

मेदिनीनगर। राजस्थान की पुलिस ने साइबर ठगी करने के मामले में पलामू जिले के दो युवकों को गिरफ्तार कर राजस्थान ले जाने की प्रक्रिया में जुट गई है। इस संबंध में राजस्थान से आए एसआई रोहित कुमार और बिजेन्द्र सिंह ने बताया कि इन दोनों युवकों के अकाउंट में ठगी का एक करोड़ रुपया आया था। जिसके आधार पर पुलिस दोनों युवकों को गिरफ्तार कर ली है राजस्थान ले जाकर दोनों युवकों से ठगी के मामले के बारे में गहन पूछताछ की जाएगी।

संत मरियम विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन, बच्चों ने राधा-कृष्ण बन प्रस्तुत की झांकियां

आदर्श मूल्यों व नैतिकता का पाठ पढ़ाता है श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व : अविनाश देव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। संत मरियम आवासीय विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के द्वारा श्री कृष्ण के जीवन पर आधारित प्रस्तुतियां सभी का मन मोह लिया। नन्हे-मुन्हे बच्चों ने कृष्ण और राधा के रूप में मनमोहक झांकियां निकालीं। 'भाखन चोर' कृष्ण की नटखट लीलाओं को दर्शाते हुए नृत्य, नाटिकाएं प्रस्तुत की गईं। इसके अलावा, छात्रों ने सुमधुर भजन और गीतों से समां बांधा। बच्चों ने दही- हांडी भी तोड़ा। विद्यालय के चेयरमैन श्री अविनाश देव अपने संबोधन में कहा की ऐसे पर्वों का आयोजन बच्चों को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह पर्व उन्हें अच्छे मूल्यों और नैतिकता का पाठ पढ़ाता है। आगे उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन हमें कर्म, धर्म और प्रेम का संदेश देता है। उनका संपूर्ण



जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी हमें सच्चाई और धर्म का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। बताया कि श्री कृष्ण ने जिस तरह अर्जुन को धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया, उसी तरह हमें भी अपने जीवन में सही रास्ते का चुनाव

करना चाहिए और अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। उक्त मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य कुमार आदर्श, छात्रावास अधीक्षक उत्कर्ष देव, एडवोकेट ओंकार नाथ तिवारी, मनोज कुमार, विकास विश्वकर्मा, सुजीत कुमार, नृत्य प्रशिक्षक शंतन

कुमार, ईशा कुमारी, रितिक कुमार, अन्य कर्मचारी व सैकड़ों बच्चे मौजूद थे। यह आयोजन बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया, जिससे उनमें भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना और भी गहरी हुई।

स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर समस्त डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र सहित झारखंडवासियों को हार्दिक बधाई

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा

» वीर शहीदों को सत सत नमन, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी के कुशल नेतृत्व में डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए संकल्पित।

» आईए हम सब मिलकर क्षेत्र के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दें।

आलोक कुमार चौरसिया

विधायक

डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र

संपादकीय

19 अगस्त : विश्व फोटोग्राफी दिवस पर विशेष

सिर्फ तस्वीर नहीं, इतिहास का आईना भी है फोटोग्राफी

महाशक्ति चीन या बेरोजगारी का केंद्र?

विश्व को साम्राज्य बनाने के लक्ष्य पर चल रहे चीन ने शोध और स्पष्ट नीतियों से अमेरिका को चुनौती दी है पर वहां के युवा संतुष्ट नहीं। चीन में बढ़ती बेरोजगारी के बीच ऐसी कंपनियों बढ़ी हैं, जो कि युवाओं को नौकरी पर जाने का दिखावा करने के लिए प्रस्ताव दे रही हैं। यह ट्रेंड इस कदर बढ़ चुका है कि इसका नाम ही 'प्रिटेन्ड टू वर्क' (काम का दिखावा) सेवा पड़ चुका है। इस तरह की सेवाएं मुहैया करा रही कंपनियों को संख्या तेजी से बढ़ी है और बेरोजगार युवा हर दिन 30 से 50 युआन (करीब 350 से 600 रुपये) तक चुका कर इन कंपनियों में नौकरी और बेरोजगार करने जा रहे हैं। कंपनियों बेरोजगार लोगों को अपनी फाल्ग डेस्क, वाई-फाई कनेक्शन, कंप्यूटर, मीटिंग रूम, नाश्ता और नौकरी जैसा माहौल मुहैया कराती हैं। बदले में इन कंपनियों में जाने वाले लोग इन्हें प्रतिदिन फीस देते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ कंपनियां लंच और डिनर भी मुहैया कराती हैं। कंपनियों में नौकरियों का दिखावा करने वाले लोग आमतौर पर काम पर जाने जैसा माहौल महसूस कर सकते हैं। इसके चलते वे अपनी टीम बनाकर फ्रीलांस काम में जुटते हैं। ये लोग खुद ही अपनी भूमिका भी चुन लेते हैं। कम अनुभव वाले लोग साधारण कर्मचारी, ज्यादा अनुभव वाले मैनेजर या बॉस। ज्यादातर युवा इन कंपनियों में जाकर अपने लिए असली नौकरी खोजने के काम में भी जुटते हैं। इसके अलावा वे यहां नौकरी के हिसाब से नया कौशल सीखने के लिए या फिर अपना स्टार्टअप बिजनेस शुरू करने की भी योजना तैयार करते हैं। कई लोग यहां असली बेरोजगार युवाओं के साथ टीम में भी काम करते हैं। युवाओं का चीन में जैसे-जैसे अवसरवादी धोंधी पड़ती जा रही है, वैसी ही यहां बेरोजगारी का संकेत काफी बढ़ चुका है। अधिकतर युवा कॉलेज के बाद

अपने कौशल के हिसाब से नौकरी पाने में असफल हो रहे हैं। ऐसे में उनके सामने सही नौकरी मिलने तक घर पर ही खाली बैठने का संकेत पैदा हुआ है। ज्यादातर युवा इस स्थिति से खुश नहीं हैं। चीन की स्थानीय मीडिया के मुताबिक, लोगों का कहना है कि वे अपने घर तक में बेरोजगारी की बात नहीं बताना चाहते, ताकि लोग उनके बारे में राय न कायम कर लें। वहीं, कुछ और लोगों का कहना है कि वे परिवार, रिश्तेदारों और समाज के सामने खुद को व्यस्त दिखाना चाहते हैं। इसलिए वे नौकरी पर जाने का दिखावा करते ही खुद को बचाने की कोशिश करते हैं। शुरुआत के एक युवा, जिसका बिजनेस वेंचर पिछले साल ही असफल हो गया था, वह हर दिन वॉगुआम में एक प्रिटेन्ड टू वर्क कंपनी



चीन में बढ़ती बेरोजगारी के बीच ऐसी कंपनियों बढ़ी हैं, जो कि युवाओं को नौकरी पर जाने का दिखावा करने के लिए प्रस्ताव दे रही हैं।

में 30 युआन खर्च कर जाते हैं। शुरुआत के मुताबिक, उनके पांच और साथी वहीं काम करते हैं। कुछ और लोगों का कहना है कि साथ काम करने से उन्हें यह अहसास नहीं होता कि वे बेरोजगार हैं या किसी काम के नहीं हैं। युवाओं को 'काम का दिखावा' करने की सेवा मुहैया कराने वाली एक कंपनी के प्रमुख फेनू (बदला हुआ नाम) ने बताया कि उनकी कंपनी सिर्फ काम की जगह नहीं देती, बल्कि लोगों को यह अहसास दिलाती है कि वे मित्रल्ले नहीं हैं और समान में सम्मान पाने के हकदार हैं। फेनू का कहना है कि कोरोनावायरस महामारी जब चीन में चरम पर थी, तब उन्हें खुद अपनी नौकरी गंवाकर घर बैठना पड़ा। इसलिए उन्होंने प्रिटेन्ड टू वर्क कंपनी की स्थापना की। फेनू का कहना है कि उनके यहां काम का दिखावा करने आने वाले 40 फीसदी उपभोक्ता हालिया स्टार्टअप बिजनेस शुरू करने की भी योजना तैयार करते हैं। कई लोग यहां असली बेरोजगार युवाओं के साथ टीम में भी काम करते हैं। युवाओं का चीन में जैसे-जैसे अवसरवादी धोंधी पड़ती जा रही है, वैसी ही यहां बेरोजगारी का संकेत काफी बढ़ चुका है। अधिकतर युवा कॉलेज के बाद

फोटोग्राफी समय को एक फ्रेम में कैद करने की जादूई कला है। यह वह लेंस है जो न केवल दृश्यों को, बल्कि भावनाओं, संस्कृतियों और मानवता के अनकहे किस्सों को अमर बनाता है। 19 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व फोटोग्राफी दिवस केवल कैमरे की तकनीक का उत्सव नहीं, बल्कि उस नजरिए का सम्मान है जो दुनिया को नए रंगों और गहराियों में देखता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि एक तस्वीर न सिर्फ आँखों के लिए एक दृश्य है, बल्कि वह एक कहानी, एक विचार और एक युग का दस्तावेज भी है।

फोटोग्राफी का इतिहास 19वीं सदी की प्रयोगशालाओं में शुरू हुआ, जब जोसेफ निसेफोर निप्स ने 1826 में पहली स्थायी तस्वीर खिंची, जिसे 'व्यू फ्रॉम द विंडो एट ले ग्रास' कहा गया। यह धुंधली तस्वीर, जो आठ घंटे की रोशनी के संपर्क में रहकर बनी, ने मानव इतिहास में एक नया अध्याय खोला। इसके बाद, 1839 में लुई दागरे की दागरेऑटाइप प्रक्रिया ने फोटोग्राफी को और सुलभ बनाया। उसी वर्ष फ्रांस सरकार ने इसे दुनिया के लिए मुफ्त घोषित किया, जिसकी स्मृति में 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। यह एक ऐसी खोज थी जिसने न केवल कला, बल्कि विज्ञान, पत्रकारिता और सामाजिक बदलाव को नया आयाम दिया।

फोटोग्राफी ने इतिहास को जीवंत दस्तावेज में बदल दिया। 1857 के भारतीय विद्रोह की तस्वीरें हैं जो 1969 में चंद्रमा पर नील आर्मस्ट्रॉंग के पहले कदम की छवि, इन तस्वीरों ने समय की धारा को रोका और हमें अतीत को महसूस करने का मौका दिया। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि फोटोग्राफी ने युद्धों, क्रांतियों और सामाजिक आंदोलनों को न केवल रिकॉर्ड किया, बल्कि उन्हें दुनिया तक पहुंचाकर बदलाव की प्रेरणा भी दी। उदाहरण के लिए, 1972 में वियतनाम युद्ध की उस तस्वीर ने, जिसमें एक नन्ही बच्ची नापाम बम के हमले से भागती दिख रही थी, पूरी दुनिया में युद्ध-विरोधी भावनाएं भड़काईं। यह तस्वीर, जिसे निक उत ने खिंची था, आज भी फोटोग्राफी की सामाजिक शक्ति का प्रतीक है। आज फोटोग्राफी आम आदमी की जेब तक पहुंच चुकी है। स्मार्टफोन के कैमरों ने हर व्यक्ति को फोटोग्राफ बनाने का मौका दिया है। 2023 तक, वैश्विक स्तर पर प्रतिदिन 1.8 अरब से अधिक तस्वीरें खिंची जा रही थीं, जिनमें से 80% से ज्यादा स्मार्टफोन के जरिए। यह लोकतांत्रिक क्रांति फोटोग्राफी को पहले से कहीं अधिक समावेशी बनाती है। अब कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी दूरदराज के गाँव में हो या महानगर में, अपनी कहानी को दुनिया तक पहुंचा सकता है।

भारत में, जहाँ 1.4 अरब लोग रहते हैं, स्मार्टफोन की



फोटोग्राफी का सामान्य से असाधारण बना देता है। भारत में, रघु राय जैसे फोटोग्राफरों ने अपनी तस्वीरों के जरिए देश की आत्मा को कैद किया। उनकी 1934 की भोपाल गैस त्रासदी की तस्वीरें आज भी मानवता को झकझोर देती हैं। वहीं, सोशल मीडिया के युग में इंस्टाग्राम और पिन्टरेस्ट जैसे प्लेटफॉर्म ने युवा फोटोग्राफरों को अपनी कला को दुनिया तक पहुंचाने का मौका दिया है। 2024 में, भारत में 50 लाख से अधिक लोग फोटोग्राफी को अपने पेशे या शौक के रूप में अपना चुके हैं, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

फोटोग्राफी सामाजिक बदलाव का भी एक शक्तिशाली हथियार है। हाल के वर्षों में, भारत में किसान आंदोलन (2020-21) की तस्वीरों ने दुनिया का ध्यान खिंचा, जिससे सरकार और समाज को उनकी माँगों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसी तरह, जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर तस्वीरें जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें यह सिखाता है कि कैमरा केवल सौंदर्य को कैद करने का साधन नहीं, बल्कि समाज को आलोकित करने और बेहतर बनाने का औजार भी है।

विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें उस शक्ति की याद दिलाता है जो एक साधारण क्लिक में छिपी है। यह हमें सिखाता है कि फोटोग्राफी केवल तकनीक या कला नहीं, बल्कि मानवता का दर्पण है। यह हमें अपने आसपास की दुनिया को नए सिरे से देखने, उसकी सुंदरता को समझने और उसके दर्द को समझने की प्रेरणा देता है। हर तस्वीर एक कहानी है, और हर कहानी के पीछे एक फोटोग्राफर की नजर है जो दुनिया को बदल सकती है। इस 19 अगस्त को, जब हम कैमरे के लेंस से दुनिया को देखें, तो यह संकेत लें कि हमारी तस्वीरें न केवल सुंदर होंगी, बल्कि सत्य, संवेदनशीलता और बदलाव का प्रतीक भी बनेंगी। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

फोटोग्राफी सामाजिक बदलाव का भी एक शक्तिशाली हथियार है। हाल के वर्षों में, भारत में किसान आंदोलन (2020-21) की तस्वीरों ने दुनिया का ध्यान खिंचा, जिससे सरकार और समाज को उनकी माँगों पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसी तरह, जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता और मानवाधिकार जैसे मुद्दों पर तस्वीरें जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें यह सिखाता है कि कैमरा केवल सौंदर्य को कैद करने का साधन नहीं, बल्कि समाज को आलोकित करने और बेहतर बनाने का औजार भी है।

विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें उस शक्ति की याद दिलाता है जो एक साधारण क्लिक में छिपी है। यह हमें सिखाता है कि फोटोग्राफी केवल तकनीक या कला नहीं, बल्कि मानवता का दर्पण है। यह हमें अपने आसपास की दुनिया को नए सिरे से देखने, उसकी सुंदरता को समझने और उसके दर्द को समझने की प्रेरणा देता है। हर तस्वीर एक कहानी है, और हर कहानी के पीछे एक फोटोग्राफर की नजर है जो दुनिया को बदल सकती है। इस 19 अगस्त को, जब हम कैमरे के लेंस से दुनिया को देखें, तो यह संकेत लें कि हमारी तस्वीरें न केवल सुंदर होंगी, बल्कि सत्य, संवेदनशीलता और बदलाव का प्रतीक भी बनेंगी। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों को समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहाँ शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विश्व इन भूमिकाओं में नकरा सावित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतुके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठपंते में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहद, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल विन्दुवार जवाब दिया,

बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी माँगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हद्दें पर चुके हैं। हाल

देश की बात



ललित गर्ग

के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरों में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुझावों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्क करने में जुटा है। उसने सत्ता-पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसालक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हद्दें पार कर दी हैं। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए-एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा है, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी सामूहिक प्रतीत होती है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

वोट चोरी पर भारी पड़ रहा पानी में भींगकर विपक्ष का पानी पानी होना!

अभी पन्द्रह अगस्त को जब पूरा देश स्वतंत्रता दिवस के जश्न में डूबा हुआ था तब हमारे प्रतिपक्ष के सबसे बड़े नेता जी मूसलाधार पानी में भींगकर झंडे को सलामी दे रहे थे। यह कोई अच्छी खबर नहीं थी क्योंकि इस राष्ट्रीय उत्सव के दौरान हमारा एक बड़ा नेता भींगने को विवश नजर आ रहा था। यह अच्छी खबर इसलिए भी नहीं थी क्योंकि यह सबकुछ मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की घोर लापरवाही का नतीजा जो था। यहाँ हैरत की बात यह



डबल इंजन वाले अल्पसंख्यक राजकुमार की बात भी थी कि आर्थिक दृष्टिकोण से विश्व के "क्लब फाइव" में शामिल देश की मजबूत सरकार के पास हमारे राष्ट्रीय राजकुमार के लिए एक छोटे से छाते की व्यवस्था तक नहीं थी! जी हाँ, पूरे विश्व को पता है कि फटी जेब वाला कुर्ता पहन कर सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाने की मजबूरी शैल रहे हमारे इस लोकप्रिय नेता के पास छाता खरीदने की आर्थिक क्षमता नहीं है। इधर वोट चोरी के कारण सड़क पर खड़े अपने दल का भी यही हाल है अन्यथा वह झंडेतोलन के दौरान उन्हें बरसा के पानी से बचाने के लिए एक अदर छत्री की व्यवस्था जरूर कर लेता। सच कहें तो यह इसलिए भी बहुत अफसोस की बात है क्योंकि देश में बहुधैव कुटुंबकर्म को अपना आदर्श बताने वाले मनुवादियों की हड़कोसली सरकार है। यदि मोदी जी में मनुवाद का हड़कोसला न होता तो उन्हें अपने "श्रीमंत" में दत्तात्रेय ब्राह्मण के दर्शन जरूर होते और ब्राह्मण होने के नाते उपेक्षा का शिकार भी नहीं बनया जाता। वैसे भी आजकल हमारे देश में किसी जनेऊधारी ब्राह्मण को प्रताड़ित करने व उन्हें उपहास का पात्र बनाने का मामला काफी ट्रेंड में है। सिर्फ इस ट्रेंड के कारण मोदी जी यदि उन्हें छाते से वंचित करके प्रताड़ित करने और भींगोकर मजा चखाने की सामंजस्य चर रहे थे तो कोई बात नहीं थी परन्तु तकलीफ इस बात को लेकर है कि पैतृक संपदा को दृष्टि से श्रीमंत साहब "खान" नामधारी उस अल्पसंख्यक समुदाय से हैं जिसके लिए अल्पसंख्यक का तात्पर्य किसी कल्याण योजना भर में सिमटा हुआ नहीं है। ऐसा इसलिए भी कि वे तो "माइनेरो" मातृकुल के साथ डबल इंजन वाले अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। भारत में अल्पसंख्यकों को कई भावनों में विशेषाधिकार प्राप्त है और जब यहाँ

आपकी बात



केदारनाथ दास

वह झंडेतोलन के दौरान उन्हें बरसा के पानी से बचाने के लिए एक अदर छत्री की व्यवस्था जरूर कर लेता। सच कहें तो यह इसलिए भी बहुत अफसोस की बात है क्योंकि देश में बहुधैव कुटुंबकर्म को अपना आदर्श बताने वाले मनुवादियों की हड़कोसली सरकार है। यदि मोदी जी में मनुवाद का हड़कोसला न होता तो उन्हें अपने "श्रीमंत" में दत्तात्रेय ब्राह्मण के दर्शन जरूर होते और ब्राह्मण होने के नाते उपेक्षा का शिकार भी नहीं बनया जाता। वैसे भी आजकल हमारे देश में किसी जनेऊधारी ब्राह्मण को प्रताड़ित करने व उन्हें उपहास का पात्र बनाने का मामला काफी ट्रेंड में है। सिर्फ इस ट्रेंड के कारण मोदी जी यदि उन्हें छाते से वंचित करके प्रताड़ित करने और भींगोकर मजा चखाने की सामंजस्य चर रहे थे तो कोई बात नहीं थी परन्तु तकलीफ इस बात को लेकर है कि पैतृक संपदा को दृष्टि से श्रीमंत साहब "खान" नामधारी उस अल्पसंख्यक समुदाय से हैं जिसके लिए अल्पसंख्यक का तात्पर्य किसी कल्याण योजना भर में सिमटा हुआ नहीं है। ऐसा इसलिए भी कि वे तो "माइनेरो" मातृकुल के साथ डबल इंजन वाले अल्पसंख्यक समुदाय से हैं। भारत में अल्पसंख्यकों को कई भावनों में विशेषाधिकार प्राप्त है और जब यहाँ

फेसबुक वॉल से



एक्स से



आज का दोहा

अगड़म, बड़ा, चिल्ला पाँ, तिकड़म, हिंसा, स्वाबा।

आजादी के बाद की, यही कथा है सा'ब।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com

कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

व्हाइट हाउस में ट्रंप संग बैठक में जैलेंस्की को यूरोपीय समर्थन

वाशिंगटन (आईएनएस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जैलेंस्की को शीर्ष यूरोपीय नेताओं के मजबूत समर्थन के साथ व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध और

कीव पर शांति के लिए मास्को की शर्तों को स्वीकार करने के दबाव को लेकर चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। बैठक की पूर्व संस्था पर, ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ' पर लिखा, "कल व्हाइट हाउस में एक बड़ा दिन है। इतने सारे यूरोपीय नेता एक साथ कभी नहीं मिले। उनकी भेजबानी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। जैलेंस्की के साथ आने वाले नेताओं में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब, नाटो महासचिव मार्क रूट, यूरोपीय संघ आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेंयेन और इटली की प्रधानमंत्री जिओर्जिया मेलोनी शामिल हैं।"

भारतीय मूल की कृशांगी ब्रिटेन की सबसे युवा सांसद बनीं

नई दिल्ली। भारतीय मूल की लॉ ग्रेजुएट कृशांगी मेश्राम इंग्लैंड और वेल्स की सबसे कम उम्र की सांसद बन गई हैं। वह 21 साल की हैं। कृशांगी पश्चिम बंगाल में पली-बढ़ी और फिलहाल यूएई में रह रही हैं। उन्होंने 15 साल की उम्र में मिल्टन कीन्स ओपन यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई शुरू की। 18 साल में फर्स्ट क्लास ऑनर्स की डिग्री हासिल कर ली। कृशांगी ने कहा- मैं ओपन यूनिवर्सिटी की बहुत आभारी हूँ कि उसने मुझे 15 साल की उम्र में एलएलबी की पढ़ाई शुरू करने का मौका दिया। अपनी पढ़ाई के दौरान ही मैंने न सिर्फ अपने कानूनी करियर की नींव रखी, बल्कि कानून के प्रति एक गहरा और स्थायी जुनून भी मिला।

पाकिस्तानी मंत्री बोले- भारत चमकती मर्सिडीज, पाकिस्तान डंपर ट्रक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने 17 अगस्त को आर्मी चीफ आसिम मुनीर की तरह भारत को चमकती मर्सिडीज बताया है। दरअसल, 11 अगस्त को अमेरिका दौरे पर पहुंचे मुनीर ने भारत को चमकती मर्सिडीज और पाकिस्तान को रेत से भरा डंपर ट्रक कहा था। उन्होंने कहा- अगर ट्रक कार से टकराएगा, तो नुकसान किसका होगा? भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान मुनीर के नेतृत्व की सराहना करते हुए नकवी ने कहा कि- आर्मी चीफ ने जंग के दौरान मुझे पाकिस्तान का दौरा करने वाले सऊदी डेलिगेशन के सामने पाकिस्तान की ताकत का बखान करने के लिए इसी उदाहरण का इस्तेमाल किया था। साथ ही नकवी ने दावा किया कि संघर्ष में पाकिस्तान ने भारत के 6 जेट को मार गिराया था। उन्होंने कहा कि उनके पास इसकी वीडियो फुटेज भी है।

रूस का यूक्रेन पर हमला, जैलेंस्की बोले- कूटनीतिक वार्ता के बीच जानबूझकर बरसाए गए बम, खत्म करनी होगी जंग



कीव (आईएनएस)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जैलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच वाशिंगटन में होने वाली मुलाकात से पहले रूस ने एक बार फिर यूक्रेन को निशाना बनाया है। इसकी जानकारी खुद यूक्रेन के राष्ट्रपति जैलेंस्की ने सोशल मीडिया के जरिए दी। राष्ट्रपति जैलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

दिल्ली पहुंचे सीपी राधाकृष्णन पीएम मोदी से की मुलाकात

हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्रियों ने किया स्वागत

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र के राज्यपाल और उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इससे पहले सीपी राधाकृष्णन दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, प्रहलाद जोशी, भूपेंद्र यादव, किंजरापु राम मोहन नायडू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य ने उनका स्वागत किया। रविवार को, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया, जिसके लिए चुनाव 9 सितंबर को होने हैं। पार्टी के संसदीय बोर्ड ने अपने गठबंधन सहयोगियों और विपक्षी दल के साथ चर्चा के बाद, उपराष्ट्रपति चुनाव को सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन वर्तमान में 31 जुलाई, 2024 से महाराष्ट्र के 24वें राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले उन्होंने फरवरी 2023 से जुलाई 2024 तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था। उन्होंने मार्च और जुलाई 2024 के बीच तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला था। वरिष्ठ भाजपा नेता राधाकृष्णन कोयंबटूर से दो बार लोकसभा के लिए चुने गए और इससे पहले तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। कांग्रेस ने एनडीए द्वारा सी.पी. राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाए जाने की आलोचना करते हुए उन्हें "एक और आरएसएस का आदमी" बताया है। उपराष्ट्रपति का कार्यकाल पाँच वर्षों का होता है, हालाँकि, 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद यह पद रिक्त हो गया था।



उम्मीदवारी और मुलाकात

- महाराष्ट्र के राज्यपाल और एनडीए उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।
- दिल्ली पहुंचने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, प्रहलाद जोशी, भूपेंद्र यादव, किंजरापु राम मोहन नायडू और दिल्ली भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनका स्वागत किया।
- भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया।
- चुनाव 9 सितंबर को होगा तय है।
- भाजपा संसदीय बोर्ड ने गठबंधन सहयोगियों और विपक्ष से चर्चा कर सर्वसम्मति से नाम तय किया।

सीपी राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर विपक्ष की मिलीजुली प्रतिक्रिया

एनडीए ने रविवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित किया, जिस पर गठबंधन के विपक्षी नेताओं की ओर से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आईं। जहाँ कुछ लोगों ने उनकी योग्यता को स्वीकार किया, वहीं कुछ ने जोर देकर कहा कि आंतरिक विचार-विमर्श के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जाएगा। पत्रकारों से बात करते हुए, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उपराष्ट्रपति का पद रिक्त है। यहाँ एक उपराष्ट्रपति थे। वह कहीं हैं? एक नए उपराष्ट्रपति का चुनाव होगा। यह अच्छी बात है। हम क्या निर्णय लेंगे, यह अलग बात है। हम बैठकर निर्णय लेंगे। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी के बाद भाजपा नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने आगे कहा कि राजनाथ सिंह जी एक वरिष्ठ नेता हैं। वह उत्तर प्रदेश से हैं, वह रक्षा मंत्री हैं। अगर वे बात करेंगे, तो हम बात करेंगे और अगर बात करने की जरूरत होगी तो वे बात करेंगे। लेकिन हमारी राजनीतिक दिशा तब स्पष्ट होगी जब इंडिया गठबंधन फैसला करेगा। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव ने कहा कि संवैधानिक पदों के लिए सर्वसम्मति बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि देश में कुछ पद ऐसे हैं, चाहे वह राष्ट्रपति हों, उपराष्ट्रपति हों या लोकसभा अध्यक्ष, जहाँ सर्वसम्मति बेहतर होती है। हमें अभी ज़्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन हमारा मानना है कि दक्षिण भारत के लोग सक्षम और अच्छे हैं। शिवसेना (यूबीटी) की ओर से सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने राधाकृष्णन की प्रशासनिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सीपी राधाकृष्णन पिछले एक साल से महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं... वे झारखंड के राज्यपाल भी रहे हैं, सांसद भी रहे हैं, और मुझे उम्मीद है कि अगर वे चुने जाते हैं, तो इस पद की गरिमा पूरी तरह से बहाल होगी, क्योंकि हमने इस पद को काफी कमजोर होत देखा है... जहाँ तक इंडिया गठबंधन का सवाल है, इंडिया गठबंधन इस पर मिलकर फैसला लेगा।



छोटे-छोटे बदलावों से वो रफ्तार नहीं मिलेगी जो भारत को चाहिए: रघुराम व्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने का कहना है कि भारत को नई पीढ़ी के सुधारों की जरूरत है। इन्होंने से बड़े आर्थिक विकास को रफ्तार दी जा सकती है। छोटे-छोटे बदलावों से वो रफ्तार नहीं मिलेगी जो भारत को चाहिए। राजन के अनुसार, भारत को नौकरशाही बहुत ही ज्यादा है। यह निवेश को रोक रही है। राजन ने सीएनबीसी को दिए साक्षात्कार में ये बातें कही हैं। उनके अनुसार, भारत की नौकरशाही कुछ ज़्यादा ही सक्रिय है। लाल फीताशाही को कम करने की जरूरत है। राज्यों व केंद्र सरकार दोनों को इस पर काम करना होगा। राजन ने भारत की युवा आबादी को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। उन्होंने कहा कि यदि हम युवाओं को प्रशिक्षित कर सकें और उन्हें बेहतर कौशल दे सकें तो हमारे पास आगे बढ़ने के लिए जरूरी कच्चा माल है। वह बोले कि हमारे पास सत्य नंडेला या जेबी राम कृष्णा या अर्धजित बनर्जी जैसे लोग हैं। लेकिन, हमें और ज़्यादा भारतीयों को ऐसी शिक्षा देने की जरूरत है, जो उन्हें इस तरह के करियर के लिए तैयार करे। इसके लिए न केवल उच्च शिक्षा पर, बल्कि प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं तक बेहतर पहुंच पर भी काम करने की जरूरत है। राजन ने कहा कि भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था है। यह 6.5% की दर से बढ़ रही है। यह जल्द ही जापान और जर्मनी से आगे निकल जाएगा। लेकिन आकार के मामले में यह अभी भी चीन व अमेरिका से बहुत ही पीछे है। उन्होंने अनुमान लगाया कि भारत 2047 तक 50 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। राजन ने कहा कि भारत को बढ़ा होने से पहले ऐसा करना होगा। भारत के लिए अगले कुछ सालों में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि श्रम बल में आने वाले युवाओं को कैसे रोजगार दिया जाए। राजन ने कहा कि भारत में सुधार की रफ्तार अभी काफी नहीं है राजन के अनुसार 1991 से भारत में सुधार की प्रक्रिया लगातार जारी है। लेकिन, यह अभी पर्याप्त नहीं है। हमें विकास को बढ़ावा देने के लिए नई पीढ़ी के सुधारों की जरूरत है। छोटे-मोटे बदलावों से हमें वह 2.5% अतिरिक्त विकास नहीं मिलेगा जिसकी हमें जरूरत है। कहा कि निजी क्षेत्र के निवेश को भी बढ़ाना होगा। राजन ने कहा कि सरकार, चाहे राज्य हो या केंद्र बुनियादी ढांचे पर खर्च कर रही हैं, लेकिन, इससे काम नहीं चलेगा। सिर्फ यही नहीं हो सकता। राजन ने कहा कि हमें भारत की कंपनियों को फिर से विश्व विजेता बनने की इच्छा रखनी होगी। हमारे युवा उद्यमियों में वह जन्मा है। आप युवा भारतीय उद्यमियों से बात करें तो वे दुनिया को हराना चाहते हैं। लेकिन, हमारे पुराने उद्यमियों ने थोड़ी महत्वाकांक्षा खो दी है। उन्हें इसे वापस पाने की जरूरत है लेकिन यह तभी होगा जब सरकार उसके लिए बहुत अच्छा माहौल दे।



शेख हसीना के बेटे ने दुख के साथ कहा- बांग्लादेश में अब शोक मनाना अपराध

ढाका (आईएनएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने मुहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर देश में हिंसा फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने "शोक को अपराध बना दिया है।" सजीब वाजेद ने आरोप लगाया कि 1971 के मुक्ति संग्राम के बलिदान को दर्शाती दीवारों (भित्ति चित्र) को तोड़ा गया, लोगों को दुआ पढ़ने से रोका गया, और 15 अगस्त को बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की पुण्यतिथि पर शोक मनाने वाले कई बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेश में 'राष्ट्रपिता' माने जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान की 15 अगस्त 1975 को उनके परिवार के कई सदस्यों के साथ बेरहमी से हत्या कर दी गई थी।

एआई के गाँडफादर व नोबल पुरस्कार विजेता ज्योफ्री हिंटन की चेतावनी

नई दिल्ली। एआई भस्मासुर की दिशा में बढ़ते लगे हैं तब उसके जन्मदाता या गाड फादर नोबेल पुरस्कार विजेता ज्योफ्री हिंटन दुनिया को सावधान करने लगे हैं, कहने लगे हैं कि एडवॉन्स एआई सिस्टम को "मातृत्व प्रवृत्तियों" के साथ डिजाइन किया जाना चाहिए। ईसाई सारे सेक्टरों में नौकरियां खत्म होने के खतरे की घंटी बज गई। एआई को कोई देश या व्यक्ति कैसे प्रशिक्षित करके, कैसे यूज करेगा, उस पर निर्भर है। कंप्यूटर साइंस के जाने-माने वैज्ञानिक हिंटन ने इशारा किया है कि एआई भविष्य में अपने इंटीलजेंट

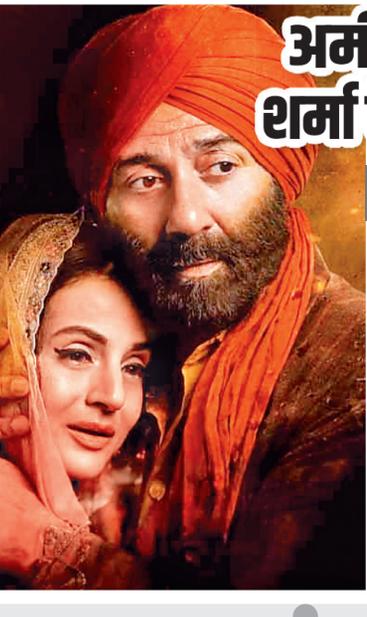


समकक्षों पर हावी होने की क्षमता हासिल कर सकता है। लास वेगास में एआई4 सम्मेलन में बोलते हुए, हिंटन ने नियंत्रण यानी कंट्रोल व दमन यानी सॉप्रेशन के माध्यम से एआई पर प्रभुत्व बनाए रखने के प्रयास के दृष्टिकोण को खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि एआई की तेजी से हो रहे एडवॉन्समेंट को देखते हुए यह रणनीति निरर्थक है। इसके बजाय, उन्होंने एक नया कॉन्सेप्ट पेश किया जिसमें सुझाव दिया गया कि मानव-एआई संबंध को एक माँ व उसके बच्चे के अनुसार बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आगे समझाया, "सही मॉडल हमारे पास एकमात्र मॉडल है जिसमें एक अधिक बुद्धिमान चीज को कम बुद्धिमान चीज द्वारा कंट्रोल किया जा रहा है, जो कि एक माँ है और उसे, उसके बच्चे द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है।" उन्होंने कहा, "अगर यह मेरा पालन-पोषण नहीं कर रहा है, तो यह मेरी जगह ले लेगा।" इस आइडिया का मतलब यह है कि जिस तरह एक शिशु अपनी सीमित बुद्धिमत्ता

के बावजूद अपनी माँ से मार्गदर्शन और देखभाल प्राप्त करता है, उसी तरह मानवता की देखभाल भी एक सुपर इंटील्लिजेंट एआई द्वारा की जा सकती है। मातृत्व हो कि हिंटन अपने इस नए सुझाव से पहले भी एआई पर लगातार कई चेतावनियाँ दे चुके हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि पहले जहाँ उनका अनुमान था कि एजीआई आने में 30 से 50 साल लग सकते हैं, अब उन्होंने इसे घटाकर सिर्फ 5 से 20 साल का "यथार्थवादी अनुमान" बताया है। हिंटन का यह भी मानना है कि 10 से 20 प्रतिशत संभावना है कि एआई मानवता को विस्थापित कर दे या फिर उसे पूरी तरह समाप्त कर दे।

कहानी फिल्म जगत की

गदर 2 की रिलीज़ के समय अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच मतभेद उभर आए अमीषा ने आरोप लगाया कि बिना उनकी जानकारी के फिल्म का क्लाइमैक्स बदला गया



अमीषा और अनिल शर्मा के बीच हुई सुलह?

गदर 3 की स्क्रिप्ट तैयार गदर 2 की रिलीज़ के दौरान सार्वजनिक रूप से नाराज़ हुए अनिल शर्मा और अमीषा पटेल के बीच सुलह हो गई है। यह मतभेद तब पैदा हुआ जब अमीषा ने बिना उनकी जानकारी के फिल्म का क्लाइमैक्स बदलने जाने पर खुद को 'ठगा हुआ' महसूस किया। उन्हें सनी देओल अभिनीत इस फिल्म में एक बड़े रोल की उम्मीद थी। इसके जवाब में, अनिल ने एक इंटरव्यू में उन्हें 'मुडी' कहा था, लेकिन साथ ही यह भी कहा था कि हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है और वह अब भी उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं। गदर 2 की रिलीज़ के दौरान फिल्म निर्माता अनिल शर्मा और अभिनेत्री अमीषा पटेल के बीच शुरू हुआ तूफानी अग्रिम समय के साथ धीरे-धीरे सुलझता दिख रहा है। अनिल शर्मा ने न्यूज 18 शोशा को बताया "अमीषा के साथ मेरा समीकरण अब बहुत अच्छा है।"

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं

डा. ऑर्थो रोल ऑन करें दर्द को कंट्रोल





Fast Absorption



No Irritating



Non Greasy



No Cloth Staining



Roll on Application



Long Lasting Relief



Easy to Carry

डा. ऑर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

Helpline: 78769 77777 | www.drorthooil.com
Available at all medical & general stores

डा. ऑर्थो पेन रिलीफ रोल ऑन 5 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों के अद्भुत मिश्रण जैसे गंधपूरा तेल, लवंग तेल, कटुवीरा तेल, कपूर सत्त व पुदीना सत्त से तैयार औषधि है जो अंदर तक समाकर मांसपेशियों के दर्द, जकड़न, खिंचाव एवं जोड़ों के दर्द को कम करने में सहायक है एवं पूर्णतः सुरक्षित है। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं, लंबे समय तक बना रहता है।

अलास्का शिखर सम्मेलन की आलोचना करने वाले सीनेटर मर्फी पर ट्रंप ने साधा निशाना, बताया 'मूर्ख इंसान'

वाशिंगटन (आईएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अलास्का में हुई बैठक की आलोचना करने पर डेमोक्रेट सीनेटर क्रिस मर्फी पर निशाना साधा। ट्रंप ने उन्हें एक ऐसा 'कमजोर' व्यक्ति बताया, जो शांति समझौते तक पहुंचने में रुकावट डालने का काम कर रहा है। ट्रंप का यह बयान तब आया जब मर्फी ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि अलास्का बैठक एक "आपदा" थी और "अमेरिका के लिए शर्मिंदगी" भी। उन्होंने ट्रंप पर अमेरिका को अपमानित करने का आरोप लगाया। मर्फी ने यह भी कहा कि इस बैठक के बाद

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को "वह सब कुछ मिल गया जो वे चाहते थे। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा, "कनेक्टिविटी के सीनेटर क्रिस मर्फी ने कहा कि 'पुतिन को वह सब कुछ मिल गया जो वह चाहते थे।' भले ही, किसी को अभी तक कुछ नहीं मिला है। लेकिन, हम उस दिशा में बढ़ रहे हैं। ट्रंप ने आगे कहा, "मर्फी एक कमजोर इंसान हैं, जो सोचते हैं कि रूसी राष्ट्रपति का अमेरिका आना उनके (पुतिन के) लिए फायदेमंद रहा। जबकि सच ये है कि पुतिन के लिए ऐसा करना बहुत मुश्किल था। यह युद्ध अब खत्म हो सकता है, लेकिन क्रिस मर्फी, जॉन बोल्टन और इनके जैसे कुछ और

बेवकूफ लोग हालात को और भी कठिन बना देते हैं। मर्फी ने एनबीसी न्यूज़ पर अपनी टिप्पणी में कहा, "यह बैठक एक आपदा थी और अमेरिका के लिए शर्मनाक भी। यह पूरी तरह से नाकाम रही। पुतिन को वह सब कुछ मिल गया जो वह चाहते थे। सबसे पहले तो वह बस एक फोटो खिंचवाना चाहते थे। वह दुनिया को यह दिखाना चाहते थे कि उन पर युद्ध अपराधों का कोई असर नहीं है। उन्हें अमेरिका आने का न्योता दिया गया, जबकि आम तौर पर युद्ध अपराधियों को अमेरिका में नहीं बुलाया जाता।" पुतिन और ट्रंप ने शनिवार तड़के (भारतीय समय अनुसार) आर्कटिक वॉरियर कन्वेंशन सेंटर में मुलाकात की।

महिला और पुरुष के बीच वेतन असमानता में पाकिस्तान सबसे खराब देशों में शामिल

नई दिल्ली (आईएनएस)। पाकिस्तान में महिला और पुरुषों की कमाई में भारी फर्क है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की नई रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया के देशों में यह स्थिति सबसे खराब मानी गई है। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान में महिलाएं औसतन अपने पुरुष सहकर्मियों से 34 प्रतिशत कम कमाती हैं। यह वेतन अंतर वैश्विक औसत से काफी ज्यादा है और भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों से भी बदतर है। एक तरफ जहां कुछ देशों ने इस खाई को कम करने की दिशा में थोड़ी-बहुत प्रगति की है, वहीं पाकिस्तान में हालात जस के तस हैं। सामाजिक परंपराएं, आर्थिक ढांचा और संस्थागत कारक इस भेदभाव को और मजबूत करते हैं। ज्यादातर पाकिस्तानी महिलाएं खेतों में मजदूरी और घरों में कामकाज जैसे कम तनख्वाह वाले अनौपचारिक कार्यों में लगी रहती हैं।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

दीपक कुमार मौर्य

थाना प्रभारी
बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

शांति देवी

प्रमुख
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

मोनिका कछप

मुखिया पंचायत बड़गढ़
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

ओमप्रकाश

विधायक प्रतिनिधि
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

दीपिका खलखो

उपप्रमुख
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

अर्जुन मिंज

जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

कुमार विवेक भवानी सिंह

हार्मोनी इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल संस्थापक, बड़गढ़, गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

अमित कुमार

प्रखंड विकास पदाधिकारी
मंडरिया, गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

रुक्मिणी कुमारी

प्रखंड प्रमुख
मंडरिया गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

अमित कुमार सोनी

प्रखंड विकास पदाधिकारी
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



79वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बड़गढ़ के समस्त पंचायत प्रतिनिधियों व नागरिकों को हार्दिक बधाई।

अमानत अंसारी

जेएमएम प्रखंड सचिव
प्रखंड - बड़गढ़ गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

धर्मेंद्र यादव

जे,ई मनरेगा प्रखंड
मंडरिया गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

महेश यादव

बी, डी, सी सह समाजसेवी
पंचायत फकीराडीह मंडरिया गढ़वा।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

अनिमेष शांतिकारी

थाना प्रभारी
डंडई गढ़वा।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

देवलाल करमाली

बीडीओ
प्रखंड - डंडई गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

राकेश भूषण सिंह

अंचल अधिकारी
प्रखंड मंडरिया गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

अजय कुमार टोप्पो

वन क्षेत्र पदाधिकारी
मंडरिया बन क्षेत्र



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ संजय सिंह

प्रोफाइटर
हिमांशु मेडिकल स्टोर करके।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. रंजीत कुमार वर्मा

केन्द्र प्रबंधक आईसेक्टर दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र मेराल।



केजीकेमी परिवार के तरफ से सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

राकेश कुमार सिंह

रमना गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रमना प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

रामलखन राम

प्रधान सहायक अध्यापक
बरहिया उत्कर्मित उच्च विद्यालय



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

विजय कुमार

अध्यक्ष
संस्था ज्ञान सहभागी केंद्र, गढ़वा।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

देवनंद विश्वकर्मा

उप मुखिया प्रतिनिधि
सोनेहारा पंचायत



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

विधायक आलोक कुमार चौरसिया डालटनगंज विधानसभा प्रतिनिधि (ओम गुप्ता)

बरगढ़ मंडरिया



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

रविशंकर सिंह

मनरेगा बी, पी,ओ
प्रखंड मंडरिया गढ़वा।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सुनील कुमार

समाजसेवी
डंडई पंचायत, गढ़वा।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

मुखदेव तिवारी

प्रोफाइटर
राजमती मेडिकल स्टोर डंडई, गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

श्रवण कुजूर

रोजगार सेवक
पंचायत बिजका मंडरिया गढ़वा।



स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंडरिया प्रखंड क्षेत्र के समस्त नागरिकों को हार्दिक बधाई।

सोहर सिंह

मुखिया
फकीराडीह मण्डरिया गढ़वा।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. परवेज आलम

एमजीएम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर नवादा मोंड़ गढ़वा एंड सना अल्पासाउंड डंडई।



डंडई प्रखंडवासियों सहित समस्त देशवासियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ राकेश रंजन

चिकित्सक स्वास्तिक चिकित्सालय चिरौंजिया, गढ़वा।